

अध्याय - 15 | वृक्षाः सत्पुरुषाः इव

QUIZ
PART-02

1. वृक्ष स्वयं कहाँ खड़े रहते हैं?

- A. आतपे
B. जले
C. गृहे
D. छायायाम् (A)

व्याख्या: सुभाषित के अनुसार वृक्ष स्वयं सूर्य की धूप में खड़े रहते हैं।

2. वृक्ष किसके लिए छाया करते हैं?

- A. केवल स्वस्य
B. पक्षिणां कृते एव
C. अन्यस्य कृते
D. केवल पशूनाम् (C)

व्याख्या: वृक्ष स्वयं धूप सहते हुए दूसरे प्राणियों को छाया देते हैं।

3. वृक्षों के फल किसके लिए होते हैं?

- A. स्वार्थाय
B. विनाशाय
C. व्यापाराय
D. परार्थाय (D)

व्याख्या: वृक्ष अपने फल स्वयं नहीं खाते, बल्कि दूसरों के हित के लिए देते हैं।

4. सुभाषित में वृक्षों की तुलना किससे की गई है?

- A. पर्वतैः
B. सत्पुरुषैः
C. पशुभिः
D. नद्यः (B)

व्याख्या: दूसरों का हित करने के कारण वृक्ष सत्पुरुषों के समान माने गए हैं।

5. सज्जन व्यक्ति का प्रमुख गुण क्या होता है?

- A. स्वयं कष्ट सहकर दूसरों का हित करना
B. केवल अपना लाभ करना
C. किसी की सहायता न करना
D. दूसरों से फल लेना (A)

व्याख्या: सज्जन व्यक्ति कठिनाइयाँ सहकर भी दूसरों की भलाई करते हैं।

6. कितने कुओं के समान एक वापी मानी गई है?

- A. पञ्चकूपसमा
B. शतकूपसमा
C. दशकूपसमा
D. द्विकूपसमा (C)

व्याख्या: सुभाषित में एक वापी को दस कुओं के समान उपयोगी बताया गया है।

7. दस वापियों के समान क्या होता है?

- A. एकः कूपः
B. एकः ह्रदः
C. एकः पुत्रः
D. एकः द्रुमः (B)

व्याख्या: सुभाषित के अनुसार एक ह्रद अर्थात् तालाब दस वापियों के समान होता है।

8. एक पुत्र कितने ह्रदों के समान माना गया है?

- A. पञ्चह्रदसमः
B. शतह्रदसमः
C. एकह्रदसमः
D. दशह्रदसमः (D)

व्याख्या: एक पुत्र अथवा सन्तान को दस ह्रदों के समान महत्त्वपूर्ण बताया गया है।

9. एक वृक्ष कितनी सन्तानों के समान मूल्यवान है?

- A. दशपुत्रसमः
B. पञ्चपुत्रसमः
C. द्विपुत्रसमः
D. शतपुत्रसमः (A)

व्याख्या: सुभाषित में एक वृक्ष को दस सन्तानों के समान मूल्यवान बताया गया है।

10. इस भाग का मुख्य संदेश क्या है?

- A. अधिक भवन बनाना चाहिए।
B. केवल कुएँ खोदने चाहिए।
C. सभी को वृक्षारोपण करना चाहिए।
D. वृक्षों के फल नहीं खाने चाहिए। (C)

व्याख्या: वृक्ष अत्यन्त उपयोगी और मूल्यवान हैं, इसलिए सभी को वृक्षारोपण करना चाहिए।